उत्कर्ष महाविद्यालय में ही प्रवेश क्यों?

- रटने के बजाय समझने पर जोर
- सभी विद्यार्थियों पर Personal Attention और Guidance
- विद्यार्थियों की परीक्षा देने की शैली से अवगत कराने व उत्तर का विकल्प चुनने की योग्यता विकसित करना।
- समय-समय पर Guest Lecture, Seminar का आयोजन
- विद्यार्थी का समय-समय पर Test के माध्यम से मूल्यांकन करना एवं प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए अच्छी तरह तैयार करना।

Projector के माध्यम से विद्यार्थियों को Class में पढ़ाना।

आम आदमी के बजट के अनुकूल उच्च गुणवत्ता युक्त शिक्षा उपलब्ध करवाना ही हमारा लक्ष्य।

फैकल्टी टीम -

(योग्यता व युवा टीम के साथ अनुभव का संयोजन)

अनुभवी, समर्पित व ओजस्वी टीम जो संस्थान में पूर्णकालिक रूप से सेवारत है तथा विद्यार्थियों के सपनों को सींच रही हैं।

श्री गणपति शिक्षण एवं सेवा संस्थान द्वारा संचालित

उत्कर्ष महाविद्यालय
उत्कर्ष टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज

सन्दलाई बड़ी, सज्जनगढ़, बांसवाड़ा (राज.)

Mob.: 9828177604, 8306878902, 8875071738

श्री गणपति शिक्षण एवं सेवा संस्थान द्वारा संचालित

उत्कर्ष महाविद्यालय
उत्कर्ष टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज

NCTE एवं राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त

व

GGTU बांसवाड़ा से सम्बद्ध

सन्दलाई बड़ी, सज्जनगढ़, बांसवाड़ा (राज.)

Mob.: 9828177604, 8306878902, 8875071738

संदेश

प्रिय विद्यार्थी,

इस नवीन सत्र में महाविद्यालय की प्रबन्ध समिति, प्राध्यापक एवं समस्त कर्मचारी महाविद्यालय की प्रतिष्ठा एवं परम्परा सहित आपका महाविद्यालय में स्वागत करते है । शिक्षा व्यक्ति को मानव बनाती है। यह व्यक्ति के जीवन को परिष्कृत एवं सुसंस्कृत बनाने का एकमात्र माध्यम है। शिक्षाविहीन पुरूष बिना पूंछ के पशु की भांति हमारे संस्कृत ग्रंथों में बताया गया है। यह शिक्षा ही है, जो उसे अज्ञान, अंधकार, जड़ता एवं शुद्रता से दूर ले जाती है। कहा भी गया है 'विद्या ददाति विनय'। विद्या ही मनुष्य को विनयशील बनाती है और विनयशील मनुष्य ही सुसंस्कृत समाज का निर्माण करता है।

वर्तमान संदर्भों में शिक्षा का महत्व बहुत अधिक बढ़ जाता है, विशेष रूप से उच्च शिक्षा का। उच्च शिक्षित मनुष्य ही समाज का दिशा-निर्देशन करता है। उच्च-शिक्षित मनुष्य ही समाज के मापदण्डों को निर्धारित करता है। समाज का आचरण वही होगा, जो उच्च-शिक्षित मनुष्य का होगा।

उच्च शिक्षा अध्ययन के भी हजारों केन्द्र है, किन्तु संस्कार सहित उच्च-शिक्षा ही सच्चे अर्थों में उच्च-शिक्षा है। यह महाविद्यालय न केवल वागड़ वरन राजस्थान के महत्वपूर्ण उच्च-शिक्षा संस्थानों में अपना स्थान बनाने हेतु प्रतिबद्ध है। इस महाविद्यालय ने अपनी गौरवमयी परम्परा, संस्कारों और योग्यतम स्टॉफ को इसके लिए आधार बनाया है। इस महाविद्यालय में प्रवेश के बाद ही छात्र परम्पराओं और संस्कारों के साथ उच्च शिक्षा को ग्रहण करता है, जो सच्चे अर्थों में उच्च-शिक्षा है। शिक्षा मात्र किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं है, वरन् इसके साथ ऐसे अनेको तत्व हैं, जो शिक्षा में सहायक होते है, जैसे खेलकूद, व्यायाम, पाठ्येत्तर सांस्कृतिक गतिविधियाँ, मानवमूल्य इत्यादि ये सब इस महाविद्यालय के महत्वपूर्ण अंग है।

वर्तमान युग प्रतियोगिता एवं व्यवसायिकता का है। इस युग में वही छात्र सफल हो सकता है, जिसने प्रतियोगिता को लक्ष्य बनाकर उच्च-शिक्षा प्राप्त की हो। चाहे राजनीतिक जीवन हो, सामाजिक या आर्थिक जीवन हो, वही छात्र उसमें सफल हो सकता है, जिसने नवीनतम तकनीक से शिक्षा प्राप्त की हो। यह महाविद्यालय वर्तमान संदर्भों और चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए ही शिक्षा प्रदान कर रहा है।

विद्यालय से महाविद्यालय में आपका आगमन आपके उत्तरदायित्वों को बढ़ाता है। आपसे अपेक्षा है कि आप अनुशासन, नियमितता और कुशल गुरूजनों के प्रति श्रद्धा को अपना मूलमंत्र बनायेंगे और कुशल गुरूओं के निर्देशन में अपनी छिपी प्रतिभा को बाहर निकालकर स्वयं एवं समाज का सार्थक एवं सृजनात्मक विकास करेंगे। अपना एवं संस्था का नाम न केवल राष्ट्रीय अपितु अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर नाम रोशन करेंगे। इसके लिए मैं आपको हार्दिक शुभकामनायें देता हूँ और आशा करता हूँ कि महाविद्यालय में आपका प्रवेश सुखद और स्मरणीय रहें।

निर्देशक
उत्कर्ष महाविद्यालय एवं उत्कर्ष टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज
सज्जनगढ़, बांसवाड़ा

B.A. PASS COURSE

अनिवार्य विषय

(1) सामान्य हिन्दी (2) कम्प्यूटर
(3) सामन्य अंग्रेजी (4) पर्यावरण अध्ययन

ऐच्छिक विषय (B.A. Part-I), (Part-II) (Part-III)

(1) राजनीति विज्ञान (2) इतिहास (3) संस्कृत साहित्य
(4) हिन्दी साहित्य (5) भूगोल (6) अंग्रेजी साहित्य

B.Sc. (Maths & Bio)

Maths ऐच्छिक विषय - Maths, Physics, Chemistry

Biology ऐच्छिक विषय - Chemistry, Zoology, Botany

M.A.

1. हिन्दी साहित्य 2. इतिहास 3. राजनीति शास्त्र 4. भूगोल

विशेष आकर्षण –

- एन.सी.टी.ई. व यू.जी.सी. योग्यता धारक अनुभवी व कुशल प्राध्यापकों द्वारा अध्ययन
- शुद्ध, स्वच्छ एवं शांत प्राकृतिक परिवेश में महाविद्यालय परिसर
- समय-समय पर विषय विशेषज्ञ विद्वानों द्वारा विस्तार व्याख्यान
- निर्धन एवं जरूरतमंद छात्र/छात्राओं के लिए विशेष सहयोग का प्रावधान
- विद्यार्थियों के अध्ययन के मूल्यांकन के लिए मासिक टेस्ट का आयोजन
- शिक्षा के साथ-साथ राष्ट्र प्रेम, अनुशासन तथा संस्कार युक्त शिक्षा पर बल
- जरूरतमंद छात्र-छात्राओं को विशेष छात्रवृत्ति प्रबन्ध समिति द्वारा
- छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए खेलकूद व अन्य शिक्षणेत्तर गतिविधियों का आयोजन।

B.Sc., B.ed.
B.A., B.ed.
4 वर्षीय

B.ed.
2 वर्षीय

महाविद्यालय के स्थापना
पर्व पर पूजा करते हुए अतिथिगण

महाविद्यालय के स्थापना पर्व पर
मंचासीन अतिथिगण

विश्व पर्यावरण दिवस पर
आयोजित सेमिनार

शिक्षक दिवस पर
सम्बोधित करते हुए अतिथिगण

गणतन्त्र दिवस पर नृत्य प्रस्तुत करती
महाविद्यालय की छात्राएं

प्रवेश-प्रक्रिया

कॉलेज की सभी कक्षाओं हेतु प्रवेश कार्य आरम्भ हो गया है। प्रवेश की अन्तिम तिथि आयुक्त, कॉलेज शिक्षा द्वारा तय होगी। उसके उपरान्त प्रवेश विलम्ब शुल्क सहित निदेशक, परिणाम महाविद्यालय खुलने की तिथि तक घोषित नहीं होता है तो ऐसे छात्र परिणाम निकलने के 15 दिन की अवधि में प्रवेश ले लेवें।

पूरक परीक्षा में बैठने वाले छात्रों को अगली कक्षा में प्रवेश अन्तिम तिथि से पूर्व ही लेना होगा। परीक्षा परिणाम घोषित होने की प्रतीक्षा महाविद्यालय नहीं करेगा। प्रवेश के लिए विवरणिका एवं प्रवेश आवेदन-पत्र कॉलेज कार्यालय समय में प्राप्त किये जा सकते हैं। प्रत्येक कार्य दिवस पर विवरणिका एवं आवेदन-पत्र प्रात: 9 बजे से सायं 4 बजे तक प्राप्त किय जा सकेंगे।

1. प्रवेशार्थी आवेदन पत्र का ध्यान से अध्ययन कर वांछित पूर्तियां, सही तथ्यों एवं प्रमाण-पत्रों के आधार पर भरेंगे। किसी भी कॉलम को अधूरा न छोड़े। सम्बन्धित न होने पर कॉलम में क्रॉस (X) लगा दें।
2. वांछित स्थानों पर प्रवेशार्थी एवं पिता/संरक्षक के स्पष्ट एवं पूरे हस्ताक्षर करना अनिवार्य है। हस्ताक्षर नहीं होने पर आवेदक पत्र मान्य नहीं होगा।
3. प्रवेश पत्र एवं परिचय पत्र पर आवश्यकतानुसार रंगीन फोटो (Colour Photo) जो छ: माह से अधिक पुराना न हो। (चिपकाना आवश्यक है, पिन से लगा फोटो मान्य नहीं होगा।
4. आवश्यक अंकतालिका, प्रमाण-पत्र एवं उपाधि-पत्र मूल एवं सत्यापित प्रतिलिपियों सहित जमा करवायें।
5. आवेदन में सही एवं स्पष्ट पूर्ति करने के पश्चात् आवश्यक मूल एवं प्रतिलिपियों के साथ आवेदन-पत्र कार्यालय में जमा करावें।
6. सभी मूल अंकतालिकाएं एवं प्रमाण-पत्र साथ में लायें।

संलग्न प्रतियाँ व मूल दस्तावेज

अंकतालिका व प्रमाण-पत्र

1. सैकेण्डरी स्कूल प्रतिलिपि।
2. अन्तिम उत्तीर्ण परीक्षा की प्राप्तांक सूची की तीन सत्यापित प्रतिलिपियां।
3. अन्य किसी विशिष्ट परीक्षा या योग्य प्रमाण-पत्र प्रतिलिपि।
4. सेवारत अध्यापन/कर्मचारी का विभागीय स्वीकृति पत्र या कार्यमुक्ति प्रमाण-पत्र मूल।
5. अनुसूचित जाति/जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्रों द्वारा इस आशय के सक्षम अधिकारी द्वारा प्रदत्त प्रमाण-पत्र की सत्यापित फोटो प्रति।
6. विवाह प्रमाण-पत्र की प्रतिलिपि। (अधिकृत अधिकारी द्वारा जारी)
7. विकलांग छात्र का अधिकृत चिकित्सक का प्रमाण-पत्र प्रतिलिपि(मय विकलांगिक-अंग एवं प्रतिशत सहित)
8. विधवा या परित्यक्ता महिला द्वारा सक्षम न्यायालय का प्रमाण-पत्र।
9. माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान व उदयपुर विश्वविद्यालय के अतिरिक्त अन्य शिक्षा बोर्ड या विश्व विद्यालय से आने वाले प्रवेशार्थी सम्बन्धित संस्था का मूल प्रमाण-पत्र (माइग्रेशन सर्टीफिकेट) जमा कराना अनिवार्य होगा।
10. अन्तिम संस्था का स्थानान्तरण प्रमाण-पत्र (TC) की मूल प्रति।
11. अंतिम संस्था के संस्था प्रधान द्वारा जारी चरित्र प्रमाण-पत्र मूल।
12. पूरक परीक्षा योग्य प्रवेशार्थी पूरक परीक्षा घोषित अंक तालिका मूल/ऑनलाईन।

"ख्वाबों में तैरती तस्वीर को हकीकत में बदलना, आसां नहीं तो मुश्किल भी नहीं हैं।"

इस महाविद्यालय में उपर्युक्त उद्देश्य की सम्पूर्ति के लिए समय-समय पर सामान्यज्ञान, तर्कशक्ति, भाषा में प्रवीणता तथा गणित का प्रतियोगिता दृष्टि से अध्ययन कराने का प्रयास किया जायेगा। महाविद्यालय में समूह-चर्चा, वाद-विवाद प्रतियोगिता, निबन्ध लेखन आदि का भी अभ्यास कराया जायेगा। विद्यार्थी सक्षम व शारीरिक दृष्टि से समर्थ हो इसके लिए खेल-कूद की सुविधा भी दी जाये ऐसा हमारा संकल्प है। आप शारीरिक बल के साथ-साथ आत्मिक बल के भी धनी हों ऐसा हमारा प्रयास रहेगा। हमारी शुभकामनाऐं आपके साथ हैं।